कनाडा में भारतीय परिवार की मौत

ब्रैंपटन । कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भारतीय परिवार के घर में आग लगने से 3 सदस्यों की मौत हो गई। आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस को शक है कि घर में आग लगाई। उनका कहना है कि आग लगना एक्सीडेंटल नहीं हो सकता। पुलिस ने शनिवार को कहा- ब्रैंपटन शहर में स्थित एक घर में 7 मार्च को आग लगी थी। यहां आग बुझाए जाने के बाद मानव अवशेष मिले थे। हालांकि, यह साफ नहीं हुआ था कि कितने लोग जलकर मरे हैं। 15 मार्च को मानव अवशेषों की पहचान भारतीय परिवार के तीन सदस्यों के रूप में हुई। पुलिस अफसर टैरिन यंग ने कहा- आग में झुलसकर राजीव वारिकू, पत्नी शिल्पा कोठा और 16 साल की बेटी महेक वारिकू की मौत हो गई। आग लगने से पहले तीनों घर में ही मौजूद थे।

नोबेल पुरस्कार विजेता पर मुकदमा दर्ज

बीजिंग । चीन के नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार मो यान के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा चीन के राष्ट्रवादी ब्लॉगर माने जाने वाले वू वानझेंग ने दायर कराया है। वू का आरोप है कि मो यान ने अपनी किताब में चीन की सेना की आलोचना की है और जापान के सैनिकों को गौरवशाली परिपेक्ष्य में दिखाया। मो यान की यह फिक्शनल किताब जापान के चीन पर हमले के समय पर आधारित है। वू वानझेंग सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अक्सर राष्ट्रवादी मुद्दों पर अपने विचार साझा करते रहते हैं। वू वानझेंग ने मुकदमे में मो यान से 1.5 अरब युआन का हर्जाना मांगा है। यह हर्जाना हर चीनी नागरिक के लिए एक युआन के आधार पर मांगा गया है और साथ ही मुकदमे में मो यान से माफी की मांग भी की गई है। वू वानझेंग ने ये भी मांग की है कि कथित विवादित किताब की बिक्री पर रोक लगाई जाए। हालांकि चीन की किसी अदालत ने अभी तक वू वानझेंग के मुकदमे को स्वीकार नहीं किया है।

क्रोएशिया में संसदीय चुनाव 17 अप्रैल को

बेलग्रेड। क्रोएशिया में संसदीय चुनाव 17 अप्रैल को होने है। राष्ट्रपति जोरान मिलानोविक के प्रशासन ने इसकी जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि श्री मिलानोविक ने देश में 17 अप्रैल को संसदीय चुनाव निर्धारित किए हैं। बयान के अनुसार क्रोएशियाई सबोर के सांसदों ने आखिरी बैठक में क्रोएशिया साम्राज्य की 1100वीं वर्षगांठ की तैयारियों की समीक्षा की, कई अंतरराष्ट्रीय संधियों की पुष्टि की, प्राकृतिक गैस और अन्य ईंधन पर वैट दर में कटौती को बढ़ाया, कई आर्थिक उपायों पर चर्चा की और संसद को भंग करने के लिए मतदान किया। प्रशासन द्वारा प्रकाशित श्री मिलानोविक के निर्णय में कहा गया, क्रोएशियाई सबोर के लिए सांसदों का चुनाव बुधवार, 17 अप्रैल, 2024 को होगा।

अमेरिका ने इटली को एक हथियार सौदे की मंजूरी दी

वाशिंगटन । अमेरिका ने इटली के साथ एक हथियार सौदे को मंजूरी दे दी है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। विदेश विभाग ने नौ करोड 60 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर एआईएम-9एक्स साइडवाइंडर मिसाइलों और संबंधित उपकरणों की इटली सरकार को संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। इटली ने 88 एआईएम-9एक्स साइडवाइंडर ब्लॉक टू प्लस टैक्टिकल मिसाइलें, चार एआईएम-9 एक्स ब्लॉक टू प्लस टैक्टिकल गाइडेंस यूनिट, आठ एआईएम-9 एक्स कैप्टिव एयर ट्रेनिंग मिसाइल (सीएटीएम) और दो एआईएम-9एक्स सीएटीएम मार्गदर्शन इकाइयाँ, सक्रिय ऑप्टिकल लक्ष्य डिटेक्टरों, कार्मिक प्रशिक्षण और रसद सहायता सेवाओं जैसे अतिरिक्त उपकरणों के साथ खरीदने का अनुरोध किया है। बयान में कहा गया यह प्रस्तावित बिक्री नाटो सहयोगी की सुरक्षा में सुधार करके अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो यूरोप में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए एक ताकत है तथा इससे क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा।

यूएनएससी में गाजा पर अमेरिका प्रस्ताव पर बातचीत जारी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में राजनयिकों की गाजा पर अमेरिका की ओर से तैयार प्रस्ताव पर बातचीत जारी है, लेकिन प्रस्ताव में तत्काल युद्धविराम की मांग के महत्व को कम कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप स्थायी प्रतिनिधि दिमित्री पॉलींस्की ने इसकी जानकारी दी है। अमेरिका ने गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग वाले प्रस्तावों को विफल करने के लिए पिछले पांच महीनों में तीन बार सुरक्षा परिषद में अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल किया है। श्री पॉलींस्की ने कहा कि सुरक्षा परिषद के बाकी सदस्य तत्काल युद्धविराम की मांग और राफा में इजरायली अभियान का विरोध करने वाले प्रस्ताव के प्रयासों में अमेरिका बाधा डाल रहा है। अमेरिकी प्रस्ताव में इजरायली अभियान का उल्लेख करते हुए कहा गया राफा में जमीनी हमले से नागरिकों को और अधिक नुकसान होगा तथा संभावित रूप से पड़ोसी देशों में उनका विस्थापन भी होगा। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी में अब तक करीब 31,300 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, 24 नवंबर को, कतर ने इजरायल और हमास के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम और कुछ कैदियों और बंधकों की अदला-बदली के साथ-साथ गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के वितरण पर एक समझौते में मध्यस्थता की।

हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम की संभावना

- इजराइल 1000 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने पर हो सकता है सहमत

तेल अवीव । हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम की संभावना बढ़ गई है। दोनों पक्ष अपनी पिछली मांगों से पीछे हटने को तैयार हो गए हैं। हमास जहां युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की अपनी मांग की जगह इसे छह सप्ताह के लिए रोकने पर सहमत हो गया है, वहीं इज़राइल 1000 फ़िलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने पर लगभग तैयार हो गया है। इनमें से 100 पर हत्या सहित गंभीर अपराधों का आरोप है। युद्ध विराम के लिए पिछले दो दिनों में दोहा, काहिरा और पेरिस में वार्ताकारों के बीच कई बैठकें हुईं। इजराइली खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि कतर ने हमास नेतृत्व को सूचित किया है कि अगर वे अपनी अनुचित मांगों से पीछे नहीं हटते हैं, तो कतर उनके नेताओं को अपने देश से निर्वासित करने में संकोच नहीं करेगा। सूत्रों के मुताबिक हमास 1000 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ने के बदले में सैनिकों सहित सभी इजरायली बंदियों को रिहा करेगा। इजराइली खुफिया एजेंसियों ने सरकार को सूचित किया है कि गाजा में शेष 134 इजराइली बंधकों में से 32 की मौत हो गई है। इजराइली प्रधान मंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि 1000 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ने के बदले में हमास शेष 102 बंधकों को रिहा करेगा और 32 बंधकों के शवों को इजराइल भेजेगा।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा तोहफे में दी कार लिमोजिन में सवारी करते नजर आये किम जोंग उन

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने हाल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भेंट में दी लग्जरी कार लिमोजिन में सफर किया। किम की बहन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कार की ''विशेषताओं'' और दोनों देशों के बीच गहरे हो रहे द्विपक्षीय संबंधों की प्रशंसा की। पुतिन ने फरवरी में किम के लिए महंगी ऑरस सीनट लिमोजिन भेजी थी। उन्होंने सितंबर में रूस में एक शिखर सम्मेलन के लिए हुई मुलाकात के दौरान यह कार उत्तर कोरियाई नेता को दिखायी थी। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस कार को भेजने से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के इस प्रस्ताव का उद्देश्य उत्तर कोरिया को लग्जरी सामान की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाकर उस पर अपने परमाणु हथियारों के कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव बनाना है। सरकारी मीडिया में शनिवार को आए बयान में किम की बहन और वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने कहा कि उनके भाई ने एक कार्यक्रम के दौरान पहली बार लिमोजिन में सफर किया। उन्होंने कहा, ''किम जोंग उन का रूसी फेडरेशन के राष्ट्रपति द्वारा उपहार स्वरूप भेजी निजी कार का इस्तेमाल करना उत्तर कोरिया-रूस के बीच मित्रता का स्पष्ट प्रमाण है जो एक नए उच्च स्तर पर व्यापक रूप से विकसित हो रही है।''

क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीपीबीडी) ग्रोबोगन द्वारा प्रदान की गई यह तस्वीर ग्रोबोगन रीजेंसी, मध्य जावा, इंडोनेशिया में भारी बारिश के बाद बाढ़ वाले क्षेत्र को दिखाती है।

राजनीति से ऊबे कनाडाई पीएम बोले- ये पागलपन से भरी नौकरी है

टोरंटो। कनाडा में प्रधानमंत्री पद के लिए अगले साल यानी अक्टूबर 2025 तक चुनाव होना है। इसके लिए हुए हालिया सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लिबरल पार्टी को कंजर्वेटिव्स के हाथों बुरी हार का सामना करना पड़ेगा। सर्वे की मानें तो कनाडा के मतदाता ट्रूडो से ऊब चुके हैं। ट्रूडो बतौर प्रधानमंत्री अपनी नौकरी से खासा परेशान नजर आ रहे हैं। उन्होंने खुद बताया कि यह एक पागलपन भरी नौकरी है और वे इसे छोड़ने के बारे में सोच रहे थे। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि वह अगले चुनाव तक पद पर बने रहेंगे। बता दें कि जस्टिन ट्रूडो का ये बयान ऐसे समय में आया है जब उनकी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा चुनावों में बुरी तरह से पिछड़ रही है। ट्रूडो ने पहली बार नवंबर 2015 में पदभार संभाला था। तमाम सर्वे में हो रही हार की भविष्यवाणी के बीच ट्रूडो ने एक लंबे इंटरव्यू में फ्रांसीसी भाषा के ब्रॉडकास्टर रेडियो-कनाडा को बताया, मैं जो आज हूं वह शख्स कभी नहीं बन पाता। इसलिए इस अहम मोड़ पर मैं ये लड़ाई नहीं छोड़ सकता हूं।जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राजनीति छोड़ने के बारे में सोचते हैं, तो उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया, मैं हर दिन छोड़ने के बारे में सोचता हूं। यह एक पागलपन भरा काम है जो मैं कर रहा हूं। व्यक्तिगत बलिदान दे रहा हूं... बेशक, यह बहुत मुश्किल है। पिछले साल ट्रूडो और उनकी पत्नी सोफी ने घोषणा की थी कि वे 18 साल की शादी के बाद अलग हो रहे हैं।ट्रूडो ने कहा, हमेशा ये बहुत अच्छा नहीं होता है। मैं लोकप्रिय होने के लिए राजनीति में नहीं आया, व्यक्तिगत कारणों से नहीं, (बल्कि) क्योंकि मैं सेवा करना चाहता हूं और मुझे पता है कि मेरे पास देने के लिए कुछ है।

अमेरिकी सीनेटर ने भारत में चुनाव को लेकर सोशल मीडिया कंपनियों से तैयारी के बारे में पूछा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक प्रभावशाली सीनेटर ने 'मेटा' के मालिकाना हक वाले व्हाट्सऐप समेत सोशल मीडिया कंपनियों से पूछा है कि उन्होंने भारत में चुनाव के मद्देनजर क्या तैयारियां की हैं। सीनेटर माइकल बेनेट के मुताबिक, भारत में सोशल मीडिया मंच का इस्तेमाल कर फर्जी और झूठी सामग्री साझा करने का रिकॉर्ड रहा है। अमेरिकी चुनावों पर नज़र रखने वाली सीनेट की खुफिया और नियम समिति के सदस्य सीनेटर बेनेट ने सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनियों को भारत में चुनाव की घोषणा से पहले पत्र लिखकर उक्त जानकारी मांगी है।

बेनेट ने 'अल्फाबेट', 'मेटा' (फेसबुक), 'टिकटॉक', 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के अधिकारियों को पत्र लिखा है जिसमें इन कंपनियों से भारत समेत विभिन्न देशों में चुनाव को लेकर उनकी तैयारियों के बारे में पूछा गया है।

बेनेट ने पत्र में कहा, 'आपके मंचों से चुनावों में होने वाले खतरे नए नहीं हैं - पिछले चुनावों में उपयोगकर्ताओं ने 'डीपफेक' और डिजिटल रूप से छेड़छाड़ कर सामग्री को पोस्ट किया था - लेकिन अब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक स्थिरता दोनों के लिए जोखिम बढ़ाएगा।' उन्होंने कहा कि उन्नत एआई उपकरणों के माध्यम से अब कोई भी वास्तविक दिखने वाली तस्वीरें, वीडियो और ऑडियो का निर्माण कर सकता है जो चिंताजनक है। साल 2024 में 70 से ज्यादा देशों में चुनाव होने हैं और दो अरब से ज्यादा लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। साल 2024 'लोकतंत्र का वर्ष' है। इस साल ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, क्रोएशिया, यूरोपीय संघ, फिनलैंड, घाना, आइसलैंड, भारत, लिथुआनिया, नामीबिया, मेक्सिको, मोल्दोवा, मंगोलिया, पनामा, रोमानिया, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन और अमेरिका में चुनाव होने हैं।

'एक्स' के एलन मस्क, 'मेटा' के मार्क जुकरबर्ग, 'टिकटॉक के शो ज़ी च्यू और अल्फाबेट के सुंदर पिचाई को लिखे पत्र में बेनेट ने इन मंचों की चुनाव संबंधी नीतियों, सामग्री नियंत्रण (मॉडरेशन) दल और एआई से बनाई गई सामग्री की पहचान करने के लिए अपनाए गए उपकरणों की जानकारी मांगी गई है। साथ में इसकी भी जानकारी मांगी गई है कि सामग्री नियंत्रण दल कितनी भाषाओं में हैं।

उन्होंने कहा, 'दुष्प्रचार और फर्जी सूचना तथ्य और कल्पना के बीच के अंतर को धुंधला करके लोकतांत्रिक चर्चा में जहर घोलते हैं। आपके मंचों को लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए, उसे कमज़ोर नहीं करना चाहिए।'

सीनेटर ने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के प्रमुख सोशल मीडिया मंचों में 'मेटा' के स्वामित्व वाला व्हाट्सऐप भी शामिल है और इनका भ्रामक व झूठी सामग्री को बढ़ावा देने का एक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। राजनीतिक तत्व जो अपने लाभ के लिए जातीय आक्रोश को बढ़ावा देते हैं, उन्हें आपके मंचों पर दुष्प्रचार नेटवर्क तक आसान पहुंच मिल गई है।' इसके बाद बेनेट ने उनकी नई नीतियों और भारत चुनावों के लिए तैनात किए गए लोगों के विवरण के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि ÷आपने 2024 के भारतीय चुनाव की तैयारी को लेकर कोई नई नीतियां अपनाई हैं?

बेनेट ने पूछा, 'आपने असमी, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संताली, मैथली और डोगरी में कितने सामग्री नियंत्रकों को फिलहाल तैनात किया हुआ है।' सीनेटर ने सोशल मीडिया कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से कहा कि उनके मंच एआई से बनी सामग्री को रोकने के साथ-साथ पारंपरिक फर्जी सामग्री को रोकने में भी नाकाम साबित हुए हैं। सीनेटर के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी खुफिया विभागों के प्रमुखों से सुना है कि रूसी, चीनी और ईरानी सरकारें अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप करने का प्रयास कर सकती हैं।

रूस में राष्ट्रपति चुनाव, वोटिंग के बीच हिंसा

-यूक्रेनी बॉर्डर से सटे शहर में आगजनी ; कई पोलिंग बूथ में तोडफ़ोड़

मॉस्को (एजेंसी)। रूस में राष्ट्रपति पद के चुनाव की वोटिंग के बीच आगजनी और हिंसा हो रही है। यूक्रेन बॉर्डर से सटे बेलगोरोड शहर में पुतिन विरोधी लोगों ने कई जगह आग लगा दी। वहीं, राजधानी मॉस्को में लोगों ने कई पोलिंग बूथ में तोडफ़ोड़ की। पुलिस ने हिंसा के मामले में अब तक 8 लोगों को हिरासत में लिया है।

रूस में 15 मार्च को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हुई। पहली बार तीन दिन वोटिंग हो रही है। रूसी नागरिक जो किसी क्रिमिनल केस में जेल की सजा न काट रहा हो, वो 17 मार्च तक वोट कर सकते हैं। वहीं, नतीजे मॉस्को के समय के मुताबिक, 17 मार्च की रात तक जारी हो सकते हैं।

महिला ने पोलिंग बूथ में स्याही डाली

सेंट पीटर्सबर्ग में एक लडक़ी ने स्कूल में बनाए गए पोलिंग बूथ में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि 20 साल की एक लडक़ी ने पुतिन के खिलाफ विरोध जताने के लिए आग लगाई। उसे हिरासत में लिया गया है। वहीं, राजधानी मॉस्को में एक महिला ने बैलट बॉक्स में स्याही डाल दी। मॉस्को के अन्य पोलिंग बूथ को भी आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने ऐसा करने वाली एक अन्य महिला को भी हिरासत में लिया। इधर, स्याही डालने वाली महिला को चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के मामले में हिरासत में लिया गया। सेंट पीटर्सबर्ग, मॉस्को के अलावा वोरोनिश, कराचे-चर्केसिया और रोस्तोव शहर से भी लोगों को हिरासत में लिया गया है। साइबेरियाई क्षेत्र खांटी-मानसी में एक महिला ने बैलट बॉक्स जलाने की कोशिश की।

पुतिन ने ऑनलाइन वोट डाला

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने ऑनलाइन वोट डाला। 14 मार्च को रूस के चुनाव आयोग ने कहा था- देश में 11.23 करोड़ मतदाता हैं। इन वो लोग भी शामिल हैं जो रूसी कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र के नागरिक भी शामिल हैं। इसके अलावा करीब 19 लाख वोटर देश से बाहर रहते हैं। इस बार रूस में ऑनलाइन वोटिंग की भी सुविधा रहेगी। यह सुविधा रूस के 27 क्षेत्रों और क्रीमिया में होगी। क्रीमिया यूक्रेन का वही क्षेत्र है, जिस पर रूस ने साल 2014 में कब्जा कर लिया था।

इमरान खान की पार्टी सुन्नी इत्तेहाद परिषद के साथ विलय की योजना बना रही, चुनाव आयोग के फैसले पर दारोमदार

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के शीर्ष नेता ने पार्टी की योजना का खुलासा किया कि अगर आयोग ने हाल के अंतर-पार्टी चुनावों को स्वीकार कर लिया और अपना प्रतिष्ठित चुनाव चिह्न वापस कर दिया तो वे सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के साथ विलय कर देंगे। पाकिस्तानी समाचार चैनल डॉनन्यूज़टीवी के साथ एक साक्षात्कार में पीटीआई के असद क़ैसर ने कहा कि अगर पार्टी को हालिया संगठनात्मक चुनावों के बाद अपना चुनाव चिन्ह वापस मिल जाता है, तो दोनों पार्टियां विलय कर लेंगी और पीटीआई ही रहेंगी। एसआईसी पाकिस्तान में इस्लामी राजनीतिक और बरेलवी धार्मिक दलों का एक राजनीतिक गठबंधन है, जिसे 8 फरवरी के चुनावों में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन प्राप्त है।

क़ैसर ने पुष्टि की कि पीटीआई समर्थित उम्मीदवार जो एसआईसी में शामिल हुए हैं, वे गठबंधन के साथ बने रहेंगे और यदि चुनाव चिन्ह का मुद्दा हल हो जाता है तो इसमें विलय कर लेंगे। पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा पिछले साल दिसंबर में कराए गए पिछले संगठनात्मक चुनावों को खारिज करने के बाद हुए ताजा इंट्रा-पार्टी चुनावों में बैरिस्टर गोहर अली खान को हाल ही में पीटीआई के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। 71 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर इमरान खान द्वारा स्थापित पीटीआई को अपने अंतर-पार्टी चुनावों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, हालिया चुनाव पिछले दो वर्षों में तीसरा प्रयास है। ईसीपी ने पहले जून 2022 में हुए चुनावों को अत्यधिक आपत्तिजनक बताते हुए रद्द कर दिया था। क़ैसर ने उल्लेख किया कि एसआईसी के साथ जुड़ने का निर्णय लेने से पहले पार्टी के भीतर व्यापक विचार-विमर्श हुआ और वे इस मामले पर कानूनी सलाह ले रहे हैं।

पाकिस्तान ने किया राम मंदिर का जिक्र, भारत ने इस्लामोफोबिया पर सुनाई खरी-खरी

-संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की हुई किरकिरी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के द्वारा राम मंदिर का जिक्र करने पर जमकर क्लास लगा दी है। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधी ने पाकिस्तान को इस्लामोफोबिया को लेकर पाठ भी पढ़ दिया है। भारत के प्रतिनिधी ने पाकिस्तान से कहा कि केवल एक धर्म के बजाय हिंदू, बौद्ध, सिख और हिंसा व भेदभाव का सामना करने वाले अन्य धर्मों के खिलाफ धार्मिक भय व्यापकता को भी स्वीकार किया जाना चाहिए। इस दौरान जब पाकिस्तानी दूत ने अयोध्या में स्थित राम मंदिर का जिक्र किया तब भारत ने कड़ी आपत्ति जाहिर की।

शुक्रवार को 193 सदस्यीय महासभा ने पाकिस्तान द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव इस्लामोफोबिया से निपटने के उपाय को मंजूरी दी। 115 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, किसी ने भी विरोध नहीं किया और भारत, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूक्रेन तथा ब्रिटेन सहित 44 देश मतदान से दूर रहे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने यहूदी-विरोध, 'ईसाईफोबिया' और

इस्लामोफोबिया (इस्लाम के प्रति पूर्वाग्रह) से प्रेरित सभी कृत्यों की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार करना जरूरी है कि इस तरह का 'फोबिया' (पूर्वाग्रह) अब्राहिमी धर्मों से परे भी फैला हुआ है। कंबोज ने कहा, इस्लामोफोबिया का मुद्दा निस्संदेह महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि अन्य धर्म भी भेदभाव और हिंसा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह स्वीकार करना जरूरी है कि दुनियाभर में 1.2 अरब से अधिक अनुयायियों वाला हिंदू धर्म, 53.5 करोड़ से अधिक अनुयायियों वाला बौद्ध धर्म और तीन करोड़ से अधिक अनुयायियों वाला सिख धर्म, सभी धार्मिक पूर्वाग्रह की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम एक धर्म के बजाय सभी धर्मों के प्रति धार्मिक पूर्वाग्रह की व्यापकता को स्वीकार करें। इस दौरान पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन का भी जिक्र किया।

पुतिन के लिए बुरी खबर: रुस की रुक सकती है युद्ध में ईरान की मदद

तहरान (एजेंसी)। रूस में चुनाव के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की परेशानी बढ़ गई है। जहां लगातार यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध में ईरान - रूस की मिसाइल, ड्रोन, हवाई बम भेज कर बड़ी मदद कर रहा था, अब उस पर रोक लगती दिखाई दे रही है। अब जी 7 समूह ने ईरान को चेतावनी दी है। जी 7 समूह ने ईरान को संदेश दिया है कि रूस को मिसाइल न भेजें अगर उसने ऐसा किया तो उसको सख्त परिणाम भुगतने होंगे। जी 7 देशों ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी और कहा कि अगर ईरान ने करीबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल रूस को भेजी तो उसको दंड का सामना करना पड़ेगा। रूस और यूक्रेन के बीच दो साल से चल रहे युद्ध में ईरान - रूस को मिसाइल भेज रहा है। जिस पर जी 7 देशों का गुस्सा फुटा है। जी 7 देशों ने कहा कि अगर ईरान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो यूरोप जाने वाली ईरान की एयर फ्लाइट तक पर भी बैन लगा दिया जाएगा।

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा, जी7 ईरान की यूरोप में फ्लाइट पर बैन लगा देगा। बता दें, ईरान एयर यात्रियों को ईरान से यूरोप के कई शहरों तक ले जाती है। जी 7 इस उड़ान पर ही बैन लगा देंगे। अधिकारी ने कहा कि हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका इस बात की पुष्टि नहीं कर सका है कि मिसाइल पहले ही रूस को भेजी जा चुकी है या नहीं। ईरान पर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि यह यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कई देशों के बीच बातचीत का मुद्दा रहा है। जी7 के बयान में कहा गया है कि रूस को ईरानी मिसाइलें भेजना रूस को यूक्रेन पर हमला करने में मदद करेगा। ईरान द्वारा कुछ मिसाइलों, ड्रोनों और अन्य प्रौद्योगिकियों के निर्यात पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध अक्टूबर में समाप्त हो गए है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ ने ईरान को मिडिल ईस्ट और रूस में अपने प्रतिनिधियों को हथियारों के निर्यात पर साथ ही बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर प्रतिबंध बरकरार रखा। क्योंकि ईरान की तरफ से भेजी जा रही बैलिस्टिक मिसाइलें रूस के लिए यूक्रेन में युद्ध में इस्तेमाल करने के लिए एक शक्तिशाली नया हथियार होंगी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि ईरान ने पहले ही रूस को ड्रोन, निर्देशित हवाई बम और तोपखाना गोला-बारूद भेजा है।